गणपत सुरसत शारद सिमरू गुरु मिल्या ब्रह्मज्ञानी

गणपत सुरसत शारद सिमरू,
दीजो अनुभव वाणी हा,
परसत परसत पीर परसीया,
परखी पीरो री निसोणी संतो,
गुरु मिल्या ब्रह्मज्ञानी,
ग्यान सुनाय कियो हरी नेड़ो,
बात अगम री जोणी रे संतो,
गुरु मिल्या ब्रह्मज्ञानी हा।bd।

दिल मे दरस्या प्रेम मे परस्या,
दिल मे दरस्या प्रेम मे परस्या,
सतगुरु री सैलोणी हा,
अगम निगम रो खेल बतायो,
आ तो जुगाती ओलखाणी संतो,
गुरु मिल्या ब्रह्मज्ञानी हा।bd।

अल्ला खुदा अलख निरंजन,
अल्ला खुदा अलख निरंजन,
निराकार निर्वोणी रे हा,
हर दम हेर गेर घर लाया,
पाई संत री निसाणी,
गुरु मिल्या ब्रह्मज्ञानी हा।bd।

गुरु अवधुता पूरा मिल्या,
गुरु अवधुता पुरा मिल्या,
गुरु मिल्या गम जोणी हा,
ए हेमनाथ सतगुरु रे चरणे,
सेंध सुरता समोणी,
गुरु मिल्या ब्रह्मज्ञानी हा।bd।

गणपत सुरसत शारद सिमरू,
दीजो अनुभव वाणी हा,
परसत परसत पीर परसीया,
परखी पीरो री निसोणी संतो,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

गुरु मिल्या ब्रह्मज्ञानी,
ग्यान सुनाय कियो हरी नेड़ो,
बात अगम री जोणी रे संतो,
गुरु मिल्या ब्रह्मज्ञानी हा।bd।

गायक – सुरेश लोहार।
प्रेषक – पुखराज पटेल बांटा
9784417723

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com